स्थापनावर्षम्-१९२८ भारते भातु भारती विक्रमसंवत्-२०७७-७८

सनातनधर्म-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालयः

डोहगी, जिल्ला-ऊना, हिमाचलप्रदेशः

भारतसर्वकारस्यादर्शसंस्कृतमहाविद्यालययोजनाधीनः, मानवसंसाधनविकासमन्त्रालयेन (शिक्षाविभागेन) स्वीकृतः, नवदेहलीस्थकेन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयेन परिचालितः हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयेन अनुमोदितश्च

प्रवेशविवरणिका (PROSPECTUS) 2020-21

प्राक्शास्त्री (द्विवर्षीया) शास्त्री (त्रिवर्षीया)

साहित्याचार्यप्रथमवर्षम् साहित्याचार्यद्वितीयवर्षम् ज्योतिषाचार्यद्वितीयवर्षम्

ध्यातव्यम्- दर्शनाचार्यप्रथमवर्षम् वेदाचार्यप्रथमवर्षम्, व्याकरणाचार्यप्रथमवर्षम्

(विद्यार्थिनां न्यूनतमसङ्ख्याधारितम् शिक्षकोपलब्धताधारितञ्च भविष्यति)

दूरभाषः (कार्यालयः) 01975-262002 Website-www.dasmv.in

अणुसङ्केतः (E-mail) : himvatsalasanskrit@gmail.com

Scanned with OKEN Scanner

प्राचार्यसन्देशः

(Principal's Message)

भारत में विश्वगुरूत्व की आधारभूमि वैदिकसंस्कृति है। जो विश्व की समस्त संस्कृतियों में सर्वश्रेष्ठ है। उसके अनेक प्रमाण ऋषि-मुनि परम्परा द्वारा रचित शास्त्रों के पन्नों में हम देख सकते है। हमने वैदिक साहित्य, पौराणिक साहित्य अथवा ऐसे कह सकते है, कि सम्पूर्ण आर्षसाहित्य को पढ़ा है, सुना है, तथापि हमारा एक अनवधानता का रोग है और हम सदैव उससे ग्रसित होते हैं। इसका निदान भी हमारे पास है तथापि वह निदान अपनाना नहीं चाहते।

हमने अभी विश्व को त्राहि-त्राहि कराने में समर्थ 'कोरोना' नामक महामारी को देखा है। ऐसी महामारी, विपत्ति अथवा आतंक अकस्मात् एक दिन में उभर कर नहीं आता। ऐसी अपदाएँ तो शनैः शनैः पल्लवित होती है, कोमल हृदयों पर घर बनाती हैं और एक दिन विकरालरूप धारण कर लेती हैं। आज कोरोना तो कल किसी और नाम से आपदा आएगी, क्योंकि जब हम प्रकृति के विरूद्ध कार्य करते हैं, शास्त्रविरूद्ध आचरण करते हैं, तब तब ऐसी प्राकृतिक आपदाएँ आती रहेंगी। हम भौतिक सुख-शान्ति के साधन जुटाने में ही अपना अमूल्य जीवन लगा देते हैं।

बाल्यकाल से अध्यात्मविद्या, संस्कार, सेवा, परोपकार जैसे सद्भावों को अपने पुत्र-पुत्रियों को न देकर अंग्रेजी और अंग्रेजियत के तोते बनाने में अपने आप को भाग्यशाली मानते हैं। ऐसी शिक्षा का परिणाम भी हमारे सामने हैं। ऐसी भोगकारी शिक्षा प्राप्त करके पुत्र माता-पिता को छोड़कर तन-मन से दूर होते जा रहें हैं। फिर भी हमारे चित्त में पाश्चात्यसंस्कृति का भूत सवार है।

हम कठपुतली की तरह नाचते हैं तब तक शरीर में ताकत है। तब शरीर में ताकत नहीं रह जाती बच्चों को बिलायती-शिक्षा देने में धन भी खत्म हो जाता है। पुत्र भी दूर-दूर नौकरी के लिए चले जाते हैं, तब माथा पकड़कर रोने के अतिरिक्त कुछ नहीं बचता। इस स्थिति से नई पीढ़ी को बचाने के लिए हमारे महाविद्यालय ने गुरूकुलपद्धति की शिक्षा, पारम्परिक शास्त्रों की शिक्षा, बाल्यकाल से संस्कारों का परिचय, आत्मीयता, सत्यनिष्ठा, राष्ट्रधर्म, मानवतावादी दृष्टिकोण पैदा करने की धुन में पूरा जीवन झोंक दिया। इसी का मैं स्वयं भुक्तभोगी इतिहास हूँ। कितने ही शिष्य तैयार किये एवं तन-मन-धन से प्रोत्साहित भी किये, शिक्षक हो अथवा सहकर्मी हो सब को मनोयोग से संस्कृत विकास, राष्ट्रसेवा, जनसेवा, धर्म, संस्कृति, त्याग, सहनशीलता, तपः, विनय, जैसे गुणों की शिक्षा मात्र बोलकर नहीं, अपितु अपने व्यवहार में लाकर निःस्वार्थभाव से दिया। कितनों ने श्रद्धापूर्वक ग्रहण किया होगा, यह तो वे ही बता सकते हैं, मुझे कदाचित् सन्तोष तो है, परन्तु अभी भी परम सन्तोष नहीं हुआ है। इस सन्दर्भ में दोष किसका है यह भी छोड़ दूँ तो भी जीवनभर सत्कर्म और सेवा प्रकरण स्मरण में आते हैं तो एकाएक मन विचलित हो जाता है।

अस्तु ! इन सभी संस्मरणों के खट्टे-मीठे अनुभवों के आधार पर भारतीय समाज की आने वाली पीढ़ी को शिक्षकों तथा शिष्यों को परामर्श दूँगा कि भारत जैसे पुण्य देश में जन्म लेने का उत्कर्ष आर्षसाहित्य, शास्त्रों के मानवतापरक आदेश एवं ऋषि-मुनियों सहित तपःपूतगुरूजनों का उपकार कदापि कोई न भूले। कृतज्ञता व्यक्त करने की हिम्मत न भी हो तो भी कम से कम कृतघ्नता तो कभी भी न अपनाएँ। यही वेदादिशास्त्रों का सार है, यही भारत की पुण्य परम्परा का अनमोल धन है। तथा यह ही जीवन का लक्ष्य होना चाहिए। अतः संस्कृत देववाणी में प्राप्त होने वाले सम्पूर्ण ज्ञानराशि को तथा उसकी मानवतावादी शिक्षा को अपने जीवन के कल्याण एवं लोक-कल्याण के लिए अपनाना ही चाहिए।

जयतु संस्कृतम् ! जयतु भारतम् ।

प्राचार्य

भक्तवत्सल शर्मा

सूचिः (Contents)

प्राचार्यसन्देशः (Principal's Message)
महाविद्यालस्य परिचयः (Introduction of College)
शिक्षणसङ्कायाः (Teaching Faculty)
स्टाफसदस्याः (Staff Members)
प्रवेशतिथयः (Admission-Dates)
प्रवेशनियमाः (Rules of Admission)
अनुशासनम् (Discipline)
योग्यतापरीक्षाकार्यक्रमः (O.T. Examination-Schedule)
शास्त्रिपरीक्षाकार्यक्रमः (RUSA Examination-Schedule)
विश्वविद्यालयपरीक्षाहेतुन्यूनतमा पात्रता (Minimum Eligibility for University-Examination)
मातृसंस्था (Parental Body)
महाविद्यालयस्योपलब्धयः (College's Achievements)
छात्रवृत्तयः (Scholarships)
क्रीडाव्यवस्था (Sports Activities)
शास्त्रीयव्याख्यानमाला (Lecture of Series)
वाग्वैखरी (अन्तरंगवाक्यास्पर्धा)
गीताजयन्ती (Gita Jayanti)
व्याख्यानम् (Lecture)
गणवेशः (Uniform)
अवकाशसुविधा (Leave-Facility)
संस्कृतछात्रपरिषत् (Sanskrit Student Cell)
छात्रकल्याणसमितिः (Student-Welfare Committee)
रैगिंगनिषेधसमितिः (Anti-ranging Committee)
महिलासुरक्षाप्रकोष्ठः (Women Security Cell)
स्वच्छभारत-अभियानम्, आपदाप्रबन्धनपरिसरसज्जासमितिः
(Clean India Campaign, Management of Disaster & Campus Greening)
पुस्तकालयः (Library)
वाचनालयः (Reading Room)
हिमवत्सला महाविद्यालयीया शोधपत्रिका (Himavatsala Half-Yerly Research Journal)
दैनिकसमाचारपत्राणि (Daily-Newspapers)
विभागानुसारं प्रभारिशिक्षकाणां दायित्वम् (Liability of In charge Teacher according to Department)
वार्षिकी योजना (Annual Planning)
महाविद्यालयेन प्रस्तावितविशेषायोजनानि (Proposed Celebrations by College)
राजपत्रिताराजपत्रितावकाशाः (प्रदेशसर्वकारानुसारम्)
प्रवेशसमये देयशुल्क-विवरणम् (Detail fo Admission Fees)
अनुपस्थितिशुल्कं दण्डशुल्कञ्च (Absent-Fine & Penance-Fine)
सरस्वती-स्तवनम्
प्रवेशार्थम् आवेदनम्
Application Form For Admission
Anti-ragging Affidavit
Anti-ragging pledge

महाविद्यालस्य परिचयः
(Introduction of College)

ग्रामेषु उच्चशिक्षायाः विकासाय, भारतीयसंस्कृतेः ज्ञानप्रसाराय च आधारभूतसंस्कृत-हिन्दीभाषासंस्थाया आवश्यकता वर्त्तते इत्यवबुद्ध्य जनसहयोगेन १९२८ तमे खिष्टाब्दे हिमाचलप्रदेशस्यैतिहासिके स्थले डोहगीनाम्नि ग्रामे देवभाषाऽऽराधनतत्पराः सनातनधर्मसभायाः सञ्चालकाः तथा च संस्कृतानुरागिणो नागरिकाः संस्कृतपाठशालां स्थापितवन्तः । ग्रामोऽयम् ऊना-मण्डलान्तर्गत-बंगाणा-उपमडलस्य मुख्यालययात् किलोमीटरद्वयं दूरे हमीरपुर-राजमार्गस्य वामभागे तथा च ऊनातः त्रिंशत्-किलोमीटरदूरे दक्षिणपूर्वस्यां दिशि षोडशशृङ्गस्यङ्के विराजमानः प्रकृतिक्रोडे क्रोड्यमाने अनुपमां शोभामादधनाश्च वर्त्तते । स्थापनासमये संस्थेयं काङ्गडामण्डले आसीत् ।

विंशतितमशताब्धाः पूर्वार्द्धे यदास्माकं देशः पराधीन आसीत् तथा च सम्पूर्णे भारतवर्षे साम्प्रदायिक-धार्मिकविद्वेषयोः स्थितिरासीत् तदानीं क्षेत्रीयनिरक्षतां समापयितुं प्रथमम् अस्याः संस्थायाः जन्म संस्कृपाठशालारूपेऽभवत् । तत्कालीनाः धर्मनिष्ठाः विद्वांसः ग्रामवासिनश्च अस्य उद्देश्यस्य पूर्तये स्वयोगदानं दत्तवन्तः । यद्यपि संस्थेयं समये-समये आर्थिक-सामाजिक-राजनैतिकसङ्कटैः अभिभूता, तथापि संस्कृतानुरागीणां सहयोगेन शनैः शनैः प्रगतिं सम्प्राप्ता । अत्रारम्भे संस्कृत-हिन्दी-भाषायामनन्तरं पञ्जाबविश्वविद्यालयस्य प्राज्ञकक्षापर्यन्तं शिक्षायाः प्रबन्धोऽभवत् ।

अस्याः प्रथमं सम्बद्धता (एफिलिएशन) पञ्जाबविश्वविद्यालयः, चण्डीगढत, ततश्च १९७१ मते वर्षे सम्बद्धतायाः स्थानातरणं हिमाचलप्रदेशविश्वद्यिालये शिमलायां सञ्जातम् । तदनन्तरं शास्त्रिपर्यन्तं शिक्षाव्यवस्था अभवत् । १९८४ तमवर्षतः अत्र आचार्यकक्षा प्रचलित । सम्प्रति चर्तुर्षु विषयेषु उपलब्धशिक्षकैः आचार्यकक्षाश्चापि चाल्यन्ते ।

१९६६ तः मार्च १९९३ पर्यन्तं संस्थायै हिमाचलसर्वकारद्वारा सहायतानुदानं दीयते स्म, परं तदनु अप्रैल, १९९३ वर्षतः सौभाग्यात् महता प्रयासेन च भारतसर्वकारस्य मानवसंसाधनविकासमन्त्रालयस्यान्तर्गत आदर्शयोजनायां महाविद्यालयोऽयम् अधिगृहीतः । सम्प्रति नवदेहलीस्थकेन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यायमाध्यमेन भारतसर्वकारः अस्य सञ्चालनं करोति । महाविद्यालस्य विकासाय भारतसर्वकारेण मनोनीतसदस्यानामेका प्रबन्धसमितिरपि योजनानुगुणं कार्याणि पश्यति । प्राचार्यः सचिवरूपेणापि प्रबन्धसमितौ निर्णयेषु तेषां क्रियान्वयने च महत्त्वपूर्णं योगदानं करोति । ग्लोबल-अचीवमेण्टफाउण्डेशनद्वारा एक्सिलेण्ट अवार्ड इति भाजः प्रो० भक्तवत्सलशर्मणः प्राचार्यपदे ४४ वर्षाणामुल्लेखनीयं प्रबन्धनं महाविद्यालस्य गौरवं वर्धयतितराम् । न्यूनादर्शयोजनायां समुचितवित्तशैक्षणिकादिप्रबन्धनिमित्तं विभिन्नाः समितयोऽपि योजितास्सन्ति, यथा प्रबन्धसमितिः, वित्तसमितिः, शैक्षणिकसमितिः, भवनसमितिः, छात्रकल्याणसमितिश्च ।

अत्र प्रदेशस्य अनेकेभ्यः मण्डलेभ्यः आगत्य विद्यार्थिनः शिक्षां लभन्ते, लब्धविद्याः ते ऊना मण्डलातिरिक्तं शिमला-सिरमौर-सोलन-किन्नौर-लाहुलस्पीति-कुल्लू-काङ्गडा-मण्डी-चम्बा-हमीरपुरादिद्वादशजिल्लासु तथा च भारतस्य विभिन्नेषु प्रान्तेषु शिक्षणस्य कृते शास्त्रिपदे आचार्यपदे तथा च विश्वविद्यालयेषु विधानसभा-संसद्-डाकविभाग-परिवहन-भारतीयसेना-पर्यटन-चिकित्सा- ज्योतिषविज्ञान वास्तुशास्त्रादिविविधभागेषु उच्चपदेषु नियुक्ता अपि सन्ति ।

अत्र संस्कृत-साहित्य-व्याकरण-दर्शन-ज्योतिष-वेदोपनिषत्-पुराण-न्यायसाङ्ख्यवेदान्तादिशास्त्राणि आङ्ग्लभाषा-हिन्दी-सङ्गणकादि -आधुनिकविषयानधिकृत्य छात्राः शास्त्री (रूसा) स्नातकार्थं तथा च साहित्यज्योतिषादि-विषयेषु आचार्य-स्नातकोत्तर-उपाधिहेतोरध्ययनं कुर्वन्ति।

Scanned with OKEN Scanner

महाविद्यालय का परिचय

गाँव मे उच्चशिक्षा, भारतीय संस्कृति एवं वैदिकपद्धति के विकास के लिए तथा हमारी सभ्यता संस्कृति की आधारभूत संस्कृत-हिन्दी भाषा के विकासहेतु शिक्षण संस्था की आवश्यकता का अनुभव करके डोहगी समीपस्थ धर्मप्राण नागरिकों ने सनातन-धर्म सभा का गठन करके उसके माध्यम से संस्कृत तथा हिन्दी पाठशाला की स्थापना 1928 में तत्कालीन कांगडा जनपद के अन्तर्गत डोहगी गाँव में की थी । यह महाविद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर है । सोलहशृङ्गी शृङ्खला की तलहटी में विकसित यह महाविद्यालय संस्कृत की सेवा में उन्नत स्थान बनाए हुए है ।

हिन्दी एवं संस्कृत भाषा के साथ-साथ ज्योतिष तथा कर्मकाण्ड की प्रारम्भिक शिक्षा के लिए इस पाठशाला का सभी नागरिकों के हृदय में श्रद्धा का स्थान रहा है । स्थानीय नागरिकों ने अपनी भूमि दान करके सराहनीय योगदान किया । सर्वप्रथम सह संस्था पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ से एफीलिएटड थी । **1971** से हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला से सम्बद्धता स्थानान्तरित हुई थी । **1966** से महाविद्यालय को हिमाचलप्रदेश सरकार का वित्तीय अनुदान मार्च **1993** तक प्राप्त होता रहा ।

लगभग **10** वर्षो के निरन्तर प्रयत्नों के फलस्वरूप प्राचार्य डॉ० भक्तवत्सल शर्मा के नेतृत्व में स्टॉफ की सेवाओं तथा स्वर्गीय श्री ठाकुर रणजीत सिंह जी की प्रधानगी में सनातन-धर्म सभा के सदस्यों के सहयोग से भारत सरकार के आदर्श संस्कृत हमाविद्यालयों की श्रेणी में यह महाविद्यालय अप्रैल **1993** में आ गया था ।

सम्प्रति इसका परिचालन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली के दिशा निर्देशन तथा मानव संसाधन विकास मन्त्रालय भारत सरकार के वित्तपोषण में हो रहा है, जिसका प्रबन्ध एक उच्च स्तरीय प्रबन्ध समिति द्वारा होता है, जो आदर्श योजना में निर्दिष्ट नियमानुसार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली के द्वारा हो रहा है । गत **44** वर्षो का प्राचार्य के रूप में प्रशासनिक अनुभव रखने वाले तथा ग्लोबल अचीवमेण्ट फाउण्डेशन द्वारा एक्सिलेण्ट अवार्ड से सम्मानित प्राचार्य प्रो० भक्तवत्सल शर्मा पिछले **45** वर्षो से शिक्षणकार्य में भी अपना कीर्तिमान स्थापित कर चुके हैं ।

महाविद्यालय की शिक्षण व्यवस्था गुणवत्ता अनुशासन एवं उत्तम प्रबन्धन के चलते प्रदेश के ऊना जिले के अतिरिक्त शिमला-सिरमौर-सोलन-किन्नौर-लाहुलस्पीति-कुल्लू-काङ्गडा-मण्डी-चम्बा-हमीरपुर-बिलासपुर आदि प्रायः सभी जिलों से छात्र एवं छात्राएँ यहाँ आकर पढ़ रहे हैं । यहाँ के स्नातक परास्नातक शिक्षकों के अतिरिक्त अनेक उच्चपदों पर भी कार्यरत हैं।

इस महाविद्यालय में संस्कृत साहित्य, व्याकरण, दर्शन, ज्योतिष, वेद उपनिषद, पुराण, न्यायशास्त्रादि पारम्परिक विद्याएँ पढ़ाने वाले आचार्य दीर्घ अनुभवी एवं योग्य हैं । विद्यार्थी यहाँ आकर साहित्य, व्याकरण, दर्शन, ज्योतिष आदि परम्परागत शास्त्र एवं अंग्रेजी, हिन्दी, कम्प्यूटरविज्ञान आदि आधुनिक विषयों के साथ शास्त्री, आचार्य आदि की उपाधियाँ बहुतायत में प्राप्त करते हैं ।

"यन्मनसा मनुते तद्वाचा वदति ।

यद्वाचा वदति तत्कर्मणा करोति ।।

Scanned with OKEN Scanner

प्रवेशतिथयः

(Admission-Dates)

प्राकशास्त्री (प्रथम-द्वितीयवर्षम्), शास्त्री (प्रथम-द्वितीयवर्षम्),

तथा आचार्य कक्षा में	:- 13 जुलाई, 2020 से प्रारम्भ
आवेदन भरकर जमा करने की अन्तिम तिथि	:- 31 जुलाई, 2020 अथवा हि.प्र. सरकार के तत्कालीन आदेशानुसार
प्रवेश स्वीकृति की सूचना (सूचना-पट पर)	:- 05 अगस्त, 2020 अथवा हि.प्र. सरकार के तत्कालीन आदेशानुसार
शुल्क जमा करने की तिथि	:- 05-07 अगस्त,2020 अथवा हि.प्र. सरकार के तत्कालीन आदेशानुसार
शिक्षणारम्भ	:- हिमाचलप्रदेश सरकार के तत्कालीन आदेशानुसार

नोट :-

१. परीक्षा परिणाम की प्रतीक्षा किये बिना सभी को प्रवेश निर्धारित समय पर लेना होगा।

२. निर्धारित समय पर प्रवेश लेने वालों को ही छात्रवृत्ति, निःशुल्क पुस्तकें तथा अन्यविशेष लाभ के लिए अर्ह माना जाएगा।

प्रवेशार्थ न्यूनतमाः योग्यताः

(Minimum Admission-Eligibilities)

हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयीनियमानुसारं विविधकक्षासु प्रवेशार्थं न्यूनतमाः योग्यताः निम्नाङ्किताः सन्ति

(Admission-Eligibilities according to Himachal Pradesh University rules)

क्रमः	कक्षा	प्रवेशार्थ योग्यता
१.	आचार्यप्रथमवर्षम्	तत्सम्बद्धविषये शास्त्री/विशिष्टशास्त्री/समकक्षपरीक्षोत्तीर्णः
२.	आचार्यद्वितीयवर्षम्	तत्सम्बद्धविषये आचार्यप्रथमवर्षपरीक्षोत्तीर्णः
३.	प्राक्शास्त्रिप्रथमवर्षम्	ससंस्कृत-मैट्रिक/समकक्षपरीक्षोत्तीर्णः
४.	प्राक्शास्त्रिद्वितीयवर्षम्	प्राक्शास्त्रिप्रथमवर्षपरीक्षोत्तीर्णः

राष्ट्रीय-उच्चशिक्षा-अभियानम् (रूसा) इति नियमेन प्रवेशार्थ योग्यताः

(Admission-Eligibilities according to RUSA-rules)

क्रमः	कक्षा	प्रवेशार्थ योग्यता
१.	शास्त्रिप्रथमवर्षम्	प्राक्शास्त्रि/ससंस्कृत +२/विद्याविनोदः/उत्तरमध्यमा भागः-२ उत्तीर्णः
२.	शास्त्रिद्वितीयवर्षम्	शास्त्रिप्रथमवर्षपरीक्षोत्तीर्णः
३.	शास्त्रितृतीयवर्षम्	शास्त्रिषष्ठषाण्मासिकीपरीक्षोत्तीर्णः

Scanned with OKEN Scanner

प्रवेशनियमाः

(Rules of Admission)

क) हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयेन निर्धारितयोग्यतामभिलक्ष्यैव अग्रिमकक्षासु प्रवेशस्य सम्भवः ।

ख) पूर्वसंस्थायाः परित्यागपत्रेण सह चारित्रिकं प्रमाणपत्रमपि अनिवार्यम् ।

ग) यैः अन्येभ्यो विश्वविद्यालयेभ्यो योग्यताप्रमाणपत्राणि अधिगतानि, तैः प्रव्रजनप्रमाणपत्रम् (Migration) देयं भविष्यति

घ) आधार-कार्ड-प्रमाणपत्रस्य प्रतिलिपिः आवश्यकी ।

ङ) जन्मतिथिप्रमाणकं प्रमाणपत्रम् आवश्यकम् ।

च) विश्वविद्यालयेन अपात्रिकृतविद्यार्थिनः हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयस्य (शिमलायाः) कुलपतेराज्ञां विना प्रवेष्टुमनर्हाः

छ) चारित्रिकदृष्ट्या दोषभाजां प्रवेशार्थीनां कृते प्रवेशः निषिद्ध ।

ज) आवेदनपत्रेण सह अभिज्ञानपत्रमपि सचित्रं सम्पूर्य कार्यालये दातव्यम् ।

झ) अर्हताऽभाववतां तथा च सदिग्धचरित्रवतां प्रवेशार्थीनां प्रवेशनिरोद्धुं प्राचार्य एव सक्षमः ।

ञ) संरक्षकत्वेन प्रवेशकाले माता-पिता अभिभावको वा विद्यार्थिना सह आनेतव्यः ।

ट) अन्यः कश्चित् स एवाभिभावको भवितुमर्हति यः आर्वषं विद्यार्थिनः सर्वविधं दायित्वं निर्वहेत् ।

ठ) सद्यः प्राप्तच्छायाचित्रद्वयं संश्लेषनीयं भवति ।

ड) प्रवेशकाले सर्वाणि मूलप्रमाणपत्राणि तथा च तेषां एकैका स्वप्रमाणिता वा प्रतिलिपिः अपेक्षते ।

प्रवेश-नियम

(Rules of Admission)

क) हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित योग्यतानुसार अगली कक्षाओं में प्रवेश सम्भव है ।

ख) पूर्वसंस्था का चरित्रप्रमाण-पत्र आवश्यक है ।

ग) अन्य विश्वविद्यालय से आने वाले छात्र स्थानान्तरणप्रमाणपत्र संलग्न करें ।

घ) आधार-कार्ड की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य हैं ।

ङ) जन्मतिथि के लिए दसवीं का प्रमाणपत्र अनिवार्य है ।

च) विश्वविद्यालय प्ररीक्षा में अपात्रीकृत विद्यार्थी हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (शिमला) के कुलपति की अनुमति के बिना प्रवेश नहीं होगें ।

छ) चरित्र की दृष्टि से सन्दिग्ध विद्यार्थी का प्रवेश निषेध है ।

ज) प्रवेश-आवेदन-पत्र के साथ परिचय-पत्र भी सचिव कार्यालय में दें ।

झ) योग्यतारहित तथा सन्दिग्धचरित्र वाले विद्यार्थियों का प्रवेश प्राचार्य ही रोकने में सक्षम है ।

ञ) संरक्षक के रूप में विद्यार्थी प्रवेश के समय माता, पिता या अभिभावक को साथ लाए ।

ट) अभिभावक वही हो जो वर्ष भर विद्यार्थी की सर्वविध गतिविधियों पर ध्यान दे ।

ठ) नवीनतम दो छायाचित्र आवेदन-पत्र के साथ संलग्न अवश्य करें ।

ड) प्रवेश के समय मूलप्रमाणपत्र एवं उनकी एक एक स्वप्रमाणित प्रतिलिपि अपेक्षित करें ।

Scanned with OKEN Scanner

स्टाफसदस्याः (Staff Members)

महाविद्यालये विश्वविद्यालय-अनुदान-आयोगद्वारा संस्तुता अनुभविनः शैक्षणिकस्टाफसदस्याः

क्रमाङ्कः	नाम	पदम्	योग्यता	सम्पर्कसूत्रम्
1.	प्रो० भक्तवत्सलशर्मा	प्राचार्यः	साहित्याचार्यः M.A. (संस्कृतम्) Ph. D. विद्यावाचस्पतिः (D. Lit.)	94180-94293
2.	डॉ० केदारदत्तपुरोहितः	सहाचार्यः	व्याकरणाचार्यः विद्यावारिधिः (Ph. D)	96255-89801
3.	डॉ० मथुरादासशर्मा	सहाचार्यः	साहित्याचार्यः M.A. (संस्कृतम्) Ph. D.	98166-32197
4.	डॉ० लालसिंहपठानिया	सहाचार्यः	साहित्याचार्यः M.A. (संस्कृतम्) Ph. D.	94185-49192.
5.	डॉ० रविदत्तशर्मा	सहाचार्यः	साहित्याचार्यः M.A. (संस्कृतम्) Ph. D.	94184-60473
6.	डॉ० रजिन्द्रकुमारशर्मा	सहाचार्यः	व्याकरणाचार्यः M.A. (संस्कृतम्) Ph. D.	98172-97770
7.	डॉ० कृष्णमोहनपाण्डेयः	सहाचार्यः	साहित्याचार्यः, M.A. (वेदग्रुप) Ph. D. NET/JRF	97369-77002
8.	डॉ० कृष्णादेवी	सहायकाचार्यः	M.A. English, M.Phil., Ph. D.	94183-54549
9.	डॉ० मुकेशकुमारः	सहायकाचार्यः	ज्योतिषाचार्यः, शिक्षाचार्यः, M.A. (संस्कृतम्) विद्यावारिधिः (Ph.D.) NET	94595-22200

अतिथिशिक्षकाः (Guest-Teachers)

क्रं.	नाम	पदम्	योग्यता	सम्पर्कसूत्रम्
1.	डॉ० प्रीतमसिंहः	अतिथिशिक्षकः (दर्शनम्)	दर्शनाचार्यः (लब्धस्वर्णपदकः), M.A. (संस्कृतम्) विद्यावारिधिः (Ph. D.), UGC-NET (5 Times), HPSET, CTET (Both Level 1 &2), HTET (Both Level TGT & PGT) P.G. Yoga (Diploma)	98186-08186
2.	डॉ० अविनाशमिश्रा	अतिथिशिक्षकः (हिन्दी)	M.A. Hindi, Ph.D. (हिन्दी) UGC-NET	97179-56659
3.	श्रीमती शिवानीशर्मा	अतिथिसङ्गणकानुदेशकः	M. Tech. Computer Science	82197-18766
4.	श्रीमती साक्षीशर्मा	अतिथिशिक्षकः (पर्यावरणम्)	M.A. Environmental Science	98173-37220

शिक्षणेतरस्टाफसदस्याः (Non-teaching Staff Members)

क्रं.	नाम	पदम्	योग्यता	सम्पर्कसूत्रम्
1.	श्रीविपिनचन्दपटियालः	वरिष्ठकार्यालयसहायकः	B.Com.	94188-53637
2.	श्रीरविः	लेखाकारः	B.A.	98166-45411
3.	श्रीमती अञ्जुकुमारी	पुस्तकालयसहायिका	M.Lib.	94182-87381

Scanned with OKEN Scanner

चतुर्थश्रेणीकर्मचारिणः (ऑउटसोर्सद्वारा)

(4th Class Members by outsource)

1.	कनिष्ठलिपिकः -	1	ऑउटसोर्सद्वारा
2.	चपड़ासी -	1	ऑउटसोर्सद्वारा
3.	चपड़ासी -	1	ऑउटसोर्सद्वारा
4.	प्रहारी (चौकीदार)	1	ऑउटसोर्सद्वारा
5.	सफाईकर्मचारी	1	ऑउटसोर्सद्वारा

विभागानुसारं प्रभारिशिक्षकाणां दायित्वम्

(Liability of In charge Teachers according to Department)

विविधप्रकल्पसञ्चालनाय निम्नानुसारं शिक्षकाः प्रभारिणः मंस्यन्ते, तथापि आवश्यकतानुसारं मध्येऽपि परिवर्त्तनं कर्तुं शक्यते, तस्य सूचना यथासमयं दास्यते । विद्यार्थिनः सम्बद्धकार्यार्थं सर्वप्रथमं प्रभारिणमनुकरिष्यन्ति विशेषपरिस्थितौ प्राचार्यस्य पुरतः समस्याः स्थापनीयाः । केषुचित् विषयेषु कार्यालयीयाधिकारिण उत्तदायित्वं वहन्ति ।

विभागः / आयोजनम्	*प्रभारी / संयोजकः*
संस्कृतसप्ताहायोजनानि एवं स्वच्छभारतभियानम्	डॉ० केदारदत्तपुरोहितः
वाग्वैखरीसंस्कृतप्रतियोगतिा एवं आध्यात्मिककार्यक्रमाः	डॉ० मथुरादासशर्मा
व्याख्यानमाला / सङ्गोष्ठी एवं क्रीडाव्यवस्था	डॉ० लालसिंहपठानिया
शिक्षकदिवस एवम् आदर्शसंगठन-अनौपचारिकसंस्कृतशिक्षणविभागः	डॉ० रविदत्तशर्मा
गीताजयन्ती गणतन्त्रदिवस एवं स्वतन्त्रतादिवसः	डॉ० कृष्णमोहनपाण्डेयः
योग्यतापरीक्षा, महिलाप्रकोष्ठः, छात्रपरिषत् च	डॉ० कृष्णादेवी
ज्योतिषकर्मकाण्डप्रशिक्षम् एवं संस्कृतसम्भाषणशिविरव्यवस्था	डॉ० मुकेशकुमारः
पत्रिकादिप्रकाशनम्, गीतापाठशृङ्खला,	
विश्वयोगदिवस एवं योगप्रशिक्षणम्	डॉ० प्रीतमसिंहः
दैनिकोपस्थितिरेवं सामान्यानुशासनम्	डॉ० अविनाशमिश्रा

ध्यातव्यम् - सर्वे प्रभारिणः सत्रारम्भे आवर्षम् आयोजयिष्यमाणानां कार्यक्रमाणां रूपरेखां व्ययविवरणञ्च सज्जीकृत्य प्राचार्यमहोदयैः अनुमोदनं कारयन्तु । अन्यथा मध्येऽपि परिवर्तनं कृत्त्वा सेवापञ्जिकायाम् उल्लेखो विद्यास्यते ।

Scanned with OKEN Scanner

अनुशासनम्
(Discipline)

१. महाविद्यालस्य कोऽपि विद्यार्थी कस्मिन्नपि राजनैतिकान्दोलने, वस्तुखण्डविखण्डने अथवा विप्लवे (अनुशासनहीनकार्ये) भाग्रहितुं न शक्ष्यति ।

२. प्रवेशसमये प्रचलितानां यथासमयं निर्मितानाञ्च नियमानामनुपालनमावश्यकम् ।

३. प्राचार्यमहोदयस्यादेशानुसारं महाविद्यालयस्य नानाकार्यकलापेषु भागगग्रहणमपि सर्वेषां कृतेऽनिवार्यम् ।

४. अकारणं कार्यालयगमनं कक्षासु पाठ्येतरपत्रपत्रिकाणामानयनञ्च निषिद्धम् ।

५. संस्कृतविकासात्मककार्यक्रमेषु सर्वेषामुपस्थितिः वैधानिकी आनुषङ्गिकी च ।

६. महाविद्यालये प्रवेशस्य, परीक्षायामुपवेशनस्य, दण्डशुल्कस्य तथा तस्य क्षमायाः, अनुशासनहीनकार्यकलापाय देयस्य विशेषदण्डस्य, निष्कासनस्य च विश्वविद्यालयनियमानुसारं प्राचार्यमहोदस्य पार्श्वे पूर्णाधिकाराः सन्तिः ।

७. अपराधानुसारं दशरूप्यकतः रूप्यकाणां शतं यावत् विशेषदण्डशुल्कं देय भविष्यति ।

८. प्राध्यापकानां व्याख्यानकाले अधिकारो भविष्यति यत् ते अनुशासनविहीनं छात्रं/छात्रां स्वकक्षातः निःसारयेन् दण्डयितुञ्च प्राचार्यमहोदयं निवेदयेरन् ।

९. कोऽपि विद्यार्थी प्राचार्यमहोदयस्य हस्ताक्षरं विना कामपि सूचनां सूचनापट्टे स्थापयितुं न शक्ष्यति ।

१०. वाग्वैखरीप्रकल्पान्तर्गतवाग्वर्द्धिनीसभायां तथा महाविद्यालस्य समायोजितेषु कार्यक्रमेषु सर्वेषां भागग्रहणम् अनिवार्यं वर्त्तते ।

११. महाविद्यालये कक्षासमये प्राचार्यमहोदयस्य अनुमतिं विना कोऽपि विद्यार्थी केनापि अपरिचितेन सह मेलितुं न शक्ष्यति ।

१२. महाविद्यालयपरिसरे दूरभाषस्य प्रयोगः निषिद्धः । विशेषपरिस्थितौ अनुमतिः आवश्यकी ।

१३. भारतस्य उच्चतमन्यायालयादेशानुसारं हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयस्य निर्देनुसारञ्च महाविद्यालये 'रैगिङ्ग इत्यस्य पूर्णरूपेण प्रतिबन्धनमस्ति । उल्लङ्घनकर्तारो विद्यार्थिनो निष्कासनादिदण्डभाजः भविष्यति ।

१४. प्रातः १०:०० वादनातः अन्तिमाऽन्तरपर्यन्तं परिसराद् बहिर्गमनं निषिद्धं दण्डनीयञ्च भविष्यति ।

अनुशासनम्
((Discipline)

१. महाविद्यालय का कोई भी छात्र/छात्रा किसी राजनैतिक आन्दोलन में तोड़-फोड़ अथवा विप्लव (अनुशासनहीन कार्य) में भाग नहीं ले सकता ।

२. प्रवेश-समय में सञ्चालित किये गये तथा समय-समय पर बनाये गये नियमों का पालन करना जरूरी है ।

३. प्राचार्य महोदय के आदेशानुसार महाविद्यालय के सभी क्रिया-कलापों में भाग लेना सभी के लिए आवश्यक है ।

४. बिना किसी कारण के कार्यालय में जाना, कक्षा में पाठ्येतर पत्र-पत्रिकाओं को लाना निषिद्ध है ।

५. संस्कृत के विकासात्मक कार्यक्रमों में सभी की उपस्थिति वैधानिक तौर पर अनिवार्य है ।

६. महाविद्यालय में प्रवेश का, परीक्षाओं में बैठने का, दण्डशुल्क का, क्षमाकरने का, अनुशासनहीन कार्य के लिए देय विशेष दण्ड का और निष्कासन का विश्वविद्यालय के नियमानुसार प्राचार्य महोदय को अबाध और पूर्णाधिकार है ।

७. अपराध के अनुसार १० रूपये से लेकर १०० रूपये तक विशेष दण्डशुल्क देय होगा ।

Scanned with OKEN Scanner

८. शिक्षकों के व्याख्यान के समय उनको अधिकार होगा कि अनुशासनहीन विद्यार्थी को कक्षा से निकाल दें और दण्ड देने के लिए प्राचार्य महोदय से निवेदन करें।

९. कोई भी विद्यार्थी प्राचार्यमहोदय के हस्ताक्षर के बिना किसी भी सूचना को सूचनापट्ट पर नहीं लगा सकता।

१०. वाग्वैखरीप्रकल्पान्तर्गत वाग्वर्द्धिनीसभा तथा महाविद्यालय में आयोजित सभी कार्यक्रमों में भाग लेना सभी के लिए अनिवार्य है।

११. महाविद्यालय में कक्षा के समय कोई भी विद्यार्थी प्राचार्य महोदय की आज्ञा के बिना किसी अपरिचित से नहीं मिल सकता है।

१२. महाविद्यालय परिसर में दूरभाष का प्रयोग निषिद्ध है। विशेष परिस्थिति में अनुमति आवश्यक है।

१३. भारत के उच्चतमन्यायालय एवं हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालय के आदेशानुसार महाविद्यालय में रैगिंग पर पूर्ण प्रतिबन्ध है। उल्लङ्घनकर्ता विद्यार्थी निष्कासनादि दण्ड के भागी होंगे।

१४. प्रातः १०:०० बजे से लेकर अन्तिम अन्तर पर्यन्त परिसर-त्याग दण्डनीय होगा।

परीक्षाकार्यक्रमः

(Examination-Schedule)

अक्तुबरमासस्य द्वितीयसप्ताहे योग्यतापरीक्षा भवति। एषा विश्वविद्यालयवार्षिकपरीक्षापात्रतानिमित्तम् अनिवार्या। योग्यतापरीक्षायाम् अनुपस्थितविद्यार्थिनां कृते प्रतिपत्रं १० रूप्यकं देयं भवति। पुनः परीक्षाशुल्कं २५ रूप्यकमपि देयं भवति। षाण्मासिकपरीक्षासु प्रतिषाण्मासिकं विश्वविद्यालयपरीक्षापूर्वमेव एकैका परीक्षा दातव्या। परीक्षाविभागस्य प्रभारी *डॉ० कृष्णादेवी* मनोनीता अस्ति।

योग्यतापरीक्षाकार्यक्रमः (House Examination-Schedule)

कक्षा	*योग्यतापरीक्षा*	*विश्वविद्यालयपरीक्षा*
प्राक्शास्त्रिप्रथमवर्षम् प्राक्शास्त्रिद्वितीयमवर्षम् आचार्यः (प्रथम/द्वितीयवर्षम्)	हिमाचलप्रदेशसर्वकारस्य तत्कालीननिदेशानुसारम	हिमाचलप्रदेशसर्वकारस्य तत्कालीननिदेशानुसारम

शास्त्रीपरीक्षाकार्यक्रमः (RUSA Examination-Schedule)

कक्षा	*आन्तरिकम्/योग्यतापरीक्षा*	*विश्वविद्यालयपरीक्षा*
शास्त्रिप्रथमवर्षम् शास्त्रिद्वितीयवर्षम् शास्त्रितृतीयवर्षम्	हिमाचलप्रदेशसर्वकारस्य तत्कालीननिदेशानुसारम	हिमाचलप्रदेशसर्वकारस्य तत्कालीननिदेशानुसारम

Scanned with OKEN Scanner

विश्वविद्यालयपरीक्षाहेतुन्यूनतमा पात्रता

(Minimum Eligibility for University-Examination)

१. नियमितप्रवेशः ।

२. विद्यार्थिनः सच्चरित्रप्रमाणपत्रम् ।

३. पूर्वकक्षायामुत्तीर्णः ।

४. न्यूनतमं ७५% व्याख्यानम् ।

५. योग्यतापरीक्षायामुत्तीर्णः ।

६. निर्दिष्टेषु सांस्कृतिक-क्रीडा-स्वच्छताभियान-व्याख्यानमाला-सम्मेलनादिषु सदैव उपस्थितिः ।

मातृसंस्था (Parental Body)

सनातनधर्मसभा, डोहगी अस्य महाविद्यालयस्य मातृसंस्थारूपेण प्रबन्धने सहयोगं करोति । आदर्शमहाविद्यालयकेन्द्रीयप्रबन्धसमितौ मातृसंस्था एक प्रतिनिधिसदस्यो भवति । *श्री अजय कुमारः* मातृसंस्थायाः सनातनधर्मसभायाः प्रधानपदे विराजते । अस्याः संस्थायाः कार्यालयः महाविद्यालयपरिसरे विद्यते ।

महाविद्यालस्योपलब्धयः (सत्रम्-२०१९-२०)

College's Achievements (Session-2019-20)

हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयवार्षिकपरीक्षासु प्रथमद्वितीयतृतीयस्थानभाजः

(Students who got 1st, 2nd & 3rd Position in H.P. University's Annual Examinations)

क्र.सं.	*विद्यार्थीनाम*	*कक्षा*	*प्राप्तस्थानम्*
१.	ज्योतिः	प्राक्शास्त्रिप्रथमवर्षम्	प्रथमम्
२.	अमरजीतकौरः	साहित्याचार्यप्रथमवर्षम्	प्रथमम्
३.	सुरिन्द्रकुमारी	साहित्याचार्यद्वितीयवर्षम्	प्रथमम्

हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयषाण्मासिकी परीक्षासु प्रथमद्वितीयतृतीयस्थानभाजः

(Students who got 1st, 2nd & 3rd Position in H.P. University's Semester-Examinations)

क्र.सं.	*विद्यार्थीनाम*	*कक्षा*	*प्राप्तस्थानम्*
१.	नीलमकुमारी	शास्त्रिपञ्चम एंव षष्ठषाण्मासिकी	प्रथमम्
२.	विष्णुप्रियाजोशी	शास्त्रिपञ्चम एंव षष्ठषाण्मासिकी	द्वितीयम

महाविद्यालययोग्यतापरीक्षासु प्रथमस्थानभाजः

(Students who got 1st position in House-Examinations)

क्र.सं.	*विद्यार्थीनाम*	*कक्षा*	*प्राप्तस्थानम्*
१.	सेजल	प्राक्शास्त्रिप्रथमवर्षम्	प्रथमम्
२.	ज्योतिः	प्राक्शास्त्रिद्वितीयवर्षम्	प्रथमम्
३.	जसविन्द्रकौरः	शास्त्रिप्रथमवर्षम्	प्रथमम्
४.	मोनिका	शास्त्रिद्वितीयवर्षम्	प्रथमम्

Scanned with OKEN Scanner

५.	ऋषभशर्मा	ज्योतिषाचार्यप्रथमवर्षम्	प्रथमम्
६.	अंजनादेवी	साहित्याचार्यप्रथमवर्षम्	प्रथमम्
७.	मनजीतकौरः	साहित्याचार्यद्वितीयवर्षम्	प्रथमम्

देहलीस्थकेन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयेन (वेदव्यासपरिसरे, बलाहरे) सञ्चालितासु तमराज्यस्तरीयशास्त्रीयस्पर्धासु प्रथमद्वितीयस्थानभाजः

(Students who got 1st p, 2nd % 3rd position in.........th State Level Competition Conducted by Rashtriya Sanskrit Sansthan, Delhi)

क्र.सं.	*विद्यार्थीनाम*	*विषयः*	*प्राप्तस्थानम्*
१.	विष्णुप्रिया	जैनबौद्धभाषणम्	प्रथमम्*
२.	निखिलसन्धुः	धर्मशास्त्रम्	प्रथमम्*
३.	ज्योतिः	काव्यपाठः	द्वितीय
४.	विष्णुप्रिया	शास्त्रीयस्फूर्तिस्पर्धा	तृतीयम्
५.	निखिलसन्धुः	शास्त्रीयस्फूर्तिस्पर्धा	तृतीयम्

*एतेषु अखिलभारतीयवाक्स्पर्धासु त्रिपुराराज्यस्य अगरतलापरिसरे द्वौ प्रतिभागिनौ भागं ग्रहितवन्तौ ।

१.	विष्णुप्रिया	जैनबौद्धभाषणम्	प्रथमम्
२.	निखिलसन्धुः	धर्मशास्त्रम्	प्रथमम्

छात्रवृत्तयः (सत्रम्-२०१८-१९) Scholarship (Session-2018-19)

देहलीस्थकेन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयेन प्रदत्ताः छात्रवृत्तयः

Scholarship given by Central Sanskrit University, Delhi

क्र.सं.	*विद्यार्थीनाम*	*कक्षा*
१.	सन्तोषकुमारी	प्राक्शास्त्रिप्रथमवर्षम्
२.	शिल्पाशर्मा	प्राक्शास्त्रिप्रथमवर्षम्
३.	जसविन्द्रकौरः	प्राक्शास्त्रिप्रथमवर्षम्
४.	पल्लवीकौण्डलः	शास्त्रिप्रथमवर्षम्
५.	नेहाकौण्डलः	शास्त्रिप्रथमवर्षम्
६.	मोनिका	शास्त्रिप्रथमवर्षम्
७.	विष्णुप्रियाजोशी	शास्त्रिषष्ठषाण्मासिकी
८.	अंजनादेवी	शास्त्रिषष्ठषाण्मासिकी
९.	कंचनकुमारी	शास्त्रिषष्ठषाण्मासिकी
१०.	शिवानीशर्मा	शास्त्रिषष्ठषाण्मासिकी
११.	कोमलदेवी	शास्त्रिषष्ठषाण्मासिकी
१२.	शिवानीदेवी	शास्त्रिषष्ठषाण्मासिकी
१३.	सुरिन्द्रकुमारी	साहित्याचार्यद्वितीयवर्षम्

Scanned with OKEN Scanner

छात्रवृत्तिराशिः-	प्राक्शास्त्रिकक्षानिमित्तम्-	७०० रूप्यकाणि प्रतिमासम्
	शास्त्रिकक्षानिमित्तम्-	८०० रूप्यकाणि प्रतिमासम
	आचार्यकक्षानिमित्तम्-	१००० रूप्यकाणि प्रतिमासम

पं. ब्रह्मानन्दधर्मार्थसभाडोहगी-द्वारा प्रदत्ताः छात्रवृत्तयः

Scholarships given by Pandit Bhramananda Sabha, Dohgi

क्रं.सं.	*विद्यार्थीनाम*	*कक्षा*
१.	कुसुमलता	प्राक्शास्त्रिप्रथमवर्षम्
२.	शिल्पाशर्मा	प्राक्शास्त्रिद्वितीयवर्षम्
३.	दीक्षा	शास्त्रिप्रथमवर्षम्
४.	अंजनादेवी	साहित्याचार्यप्रथमवर्षम्
५.	मनजीतकौरः	साहित्याचार्यद्वितीयवर्षम्

छात्रवृत्तिराशिः- प्रत्येकार्हविद्यार्थिनिमित्तम्- १८०० रूप्यकाणि प्रतिवर्षम्

प्राणफाउडेशन-चण्डहगढ्द्वारा प्रदत्तः संस्कृतधरोहरपुरस्कारः

Sanskrit Heritage Prize given by Pran Foundation, Chandigarh

क्रं.सं.	*विद्यार्थीनाम*	*कक्षा*
१.	नीलमकुमारी	शास्त्रिषष्ठषाण्मासिकी

२०१९-२० सत्रनिमित्तं छात्रवृत्तिराशिः - ५००० रूप्यकाणि

समाजसेवासमिति बंगाणा द्वारा प्रदत्ताः छात्रवृत्तयः

क्रं.सं.	*विद्यार्थीनाम*	*कक्षा*
१.	अभयशर्मा	प्राक्शास्त्रिप्रथमवर्षम्
२.	शिवानी	शास्त्रिप्रथमवर्षम्

छात्रवृत्तिराशिः- प्रत्येकार्हविद्यार्थिनिमित्तम्- ३००० रूप्यकाणि प्रतिवर्षम्

हिमोत्कर्षसाहित्यसंस्कृति एवं जनकल्याणपरिषद् द्वारा प्रदत्ताः छात्रवृत्तयः

क्रं.सं.	*विद्यार्थीनाम*	*कक्षा*
१.	रीना	प्राक्शास्त्रिद्वितीयवर्षम्

छात्रवृत्तिराशिः- प्रत्येकार्हविद्यार्थिनिमित्तम्- २००० रूप्यकाणि प्रतिवर्षम्

Scanned with OKEN Scanner

क्रीडाव्यवस्था Sports-Activities

महाविद्यालय विविधानां क्रीडानां सामान्य व्यवस्था अस्ति । तदर्थं प्रवेशानन्तरं क्रीडाप्रभारिणः पार्श्वे पञ्जीकरणमावश्यकम् । अस्य महाविद्यालयस्य नियमितैः विद्यार्थिभिः एव क्रीडादलेषु पञ्जीकरणं कारयितुं शक्यते नान्यैः । राज्यस्तरीयासु उत अन्तर्महाविद्यालयीप्रतिस्पर्धासु अपि यथासमये विद्यार्थिनः क्रीडाशिक्षकत्वेन महाद्यिालयस्य सहाचार्यः *डॉ. लालसिंहपठानिया* प्रभारी मनोनीतः । ***महाविद्यालये अधोलिखितानां क्रीडानां व्यवस्था सर्वेषां कृते वर्त्तते ।***

१. *हस्तकन्दुकम्* (Volleyball) २. *कङ्कपत्रक्रीडा* (Badminton)

क्रीडापरिणामः (सत्रम्-२०१८-१९)

कङ्कपत्रक्रीडा (Badminton)

छात्र-विजेतृदलम् – प्रवीणगौतमः, पङ्कजपालः । छात्र-विजेतृदलम् – प्रियङ्काभाटिया, रीनादेवी ।

छात्र-उपविजेतृदलम् – शशिकपुरः, अमितशर्मा । छात्र-उपविजेतृदलम् – शिवानीशर्मा, तमन्नाठाकुरः ।

निर्णायकाः -

१. ***डॉ. लालसिंहपठानिया,*** सहाचार्यः, साहित्यविभागः, स. ध. आ. सं. महाविद्यालयः, डोहगी
२. ***डॉ. रविदत्तशर्मा,*** सहाचार्यः, साहित्यविभागः, स. ध. आ. सं. महाविद्यालयः, डोहगी
३. ***श्री अनिलकुमारः,*** छात्रः, साहित्यचार्यप्रथमवर्षम् स. ध. आ. सं. महाविद्यालयः, डोहगी
४. ***श्री अजयः,*** छात्रः, साहित्यचार्यप्रथमवर्षम् स. ध. आ. सं. महाविद्यालयः, डोहगी

शास्त्रीयव्याख्यानमाला (Lecture of Series)

शास्त्राध्ययने विद्यार्थिनां रुचिवर्धनाय नैपुण्याय च शास्त्रीयव्याख्यानमाला २००२ तमे वर्षे महाविद्यालये समारब्धा। आदौ अस्य स्वरूपं महाविद्यालयस्तरीयमासीत्। तत्र केवलं प्राचार्यप्राध्यापकानामेव व्याख्यानानि सम्पादितानि। तत इतोऽपि व्यापकं कर्तुं राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानस्यार्थिकसहयोगेन २०१४ तमवर्षतः अस्याः व्याख्यानमालाया आयोजनं नितरां भवति परन्तु यादाकदा राष्ट्रियमपि भवति।

अस्मिन् प्रक्रमे प्रो. पीयूषकान्तदीक्षितः, प्रो. शुद्धानन्दपाठकः, प्रो. लेखरामशर्मा, प्रो. जयकान्तशर्मा, प्रो. कुलदीपचन्दः अग्निहोत्री, प्रो. वेदप्रकाश उपाध्यायः, प्रो. नरसिंहचरणपण्डा, प्रो. कृष्णमुरारीशर्मा, प्रो. विद्यानन्दझाः, डॉ. सुन्दरनारायणझाः, डॉ. शिवशंकरशर्मा, डॉ. ओमदत्तसरोचः, डॉ नरोत्तमशर्मा, डॉ. कामदेवझाः, डॉ. बृहस्पतिमिश्रः, डॉ. आदेशकुमारः, डॉ. जगदेवः, श्रीशिवकुमारकश्यपः, प्रो. विनोदकुमारशर्मा, डॉ. सोमदत्तशर्मा, डॉ. ज्ञानेश्वरशर्मा, डॉ. सन्नीकुमारः, प्रो. हरेरामत्रिपाठी (अध्यक्षः), प्रो. भक्तवत्सलशर्मा (प्राचार्यः) प्रभुतयो विद्वांसो बहुधा व्याख्यानेन छात्रान् बोधितवन्तः। एषां व्याख्यानेन महाविद्यालयपरिवारः क्षेत्रीयनागरिकाः लाभान्विता अभवन्।

वाग्वैखरी

महाविद्यालये पाक्षिकं वाग्वैखरीप्रकल्पान्तर्गते वाग्वर्द्धिनीसभा आयोज्यते। अस्यां सभायां विद्यार्थिनां सहभागिता अनिवार्या। अत्र सर्वेभ्यः छात्रेभ्यः प्रशिक्षिणं प्रदीयते। सामान्यरूपेण मुख्यविषया अधोलिखितानुसारेण भवन्ति।

१. शास्त्रीयविषयेषु संस्कृतसम्भाषाणम्। २. विविधविषयेषु हिन्दी-आङ्ग्लयोर्भाषणम्। ३.श्लाकोच्चारणम् ।.४. संस्कृतगीतिकागानम्। ५. संस्कृतलघुप्रश्नोत्तरीप्रशिक्षिणम्। ६. शलाकापरीक्षरीप्रशिक्षिणम्।७ . श्लोकसूत्रान्त्याक्षरीप्रशिक्षिणम्। ८. श्रीमद्भगवद्गीतापाठप्रशिक्षिणम्। ९. वेदमन्त्रोच्चारणप्रशिक्षिणम्।

Scanned with OKEN Scanner

१०. शास्त्रार्थप्रशिक्षिणम्।
११. हिन्दी-भाषणम्।
१२. आङ्ग्लभाषणम्।

अस्याः सभायाः व्यवस्थाप्रमुखत्वेन प्रभारी डॉ. *मथुरादासशर्मा* मनोनीतोऽस्ति।

वाग्वर्द्धिन्यादिविविधप्रतियोगितादिषु पुरस्कारभाजः (सत्रम् - २०१९-२०)

वेदमन्त्रोच्चारणम्

क्र.सं.	*विद्यार्थीनाम*	*कक्षा*	*स्थानम्*
१.	शशीकुमारः	शास्त्रिप्रथमवर्षम्	प्रथमम्
२.	विष्णुप्रिया	ज्योतिषाचार्यप्रथमवर्षम्	द्वितीयम्
३.	गौरवशर्मा	प्राक्शास्त्रिप्रथमवर्षम्	तृतीयम्

श्लोकोच्चारणम्

क्र.सं.	*विद्यार्थीनाम*	*कक्षा*	*स्थानम्*
१.	ज्योतिः	प्राक्शास्त्रिप्रथमवर्षम्	प्रथमम्
२.	देवांशदत्तः	शास्त्रिद्वितीयमवर्षम्	द्वितीयम्
३.	अजयः	प्राक्शास्त्रिप्रथमवर्षम्	तृतीयम्
४.	वन्दना	शास्त्रिप्रथमवर्षम्	तृतीयम्

संस्कृतगीतिका

क्र.सं.	*विद्यार्थीनाम*	*कक्षा*	*स्थानम्*
१.	ज्योतिः	प्राक्शास्त्रिप्रथमवर्षम्	प्रथमम्
२.	वन्दना	शास्त्रिप्रथमवर्षम्	द्वितीयम्
३.	अभिषेकः	प्राक्शास्त्रिप्रथमवर्षम्	तृतीयम्

संस्कृतभाषणम्

क्र.सं.	*विद्यार्थीनाम*	*कक्षा*	*स्थानम्*
१.	ज्योतिः	प्राक्शास्त्रिप्रथमवर्षम्	प्रथमम्
२.	देवांशदत्तः	शास्त्रिद्वितीयमवर्षम्	द्वितीयम्
३.	मोहितकुमारः	शास्त्रिप्रथमवर्षम्	तृतीयम्

दर्शनशलाका (सांख्यकारिका)

क्र.सं.	*विद्यार्थीनाम*	*कक्षा*	*स्थानम्*
१.	जसविन्द्रकौरः	शास्त्रिप्रथमवर्षम्	प्रथमम्
२.	अनीता	शास्त्रिप्रथमवर्षम्	द्वितीयम्
३.	आंचल	शास्त्रिप्रथमवर्षम्	तृतीयम्

२०२०-२१ तमे सत्रे सर्वाधिकोपस्थिति :- अक्षयकुमारः, शास्त्रिप्रथमवर्षम्
२०२०-२१ तमे सत्रे सर्वाधिकपुस्तकालये अध्येता :- ऋषभशर्मा, ज्योतिषाचार्यप्रथमवर्षम्
२०२०-२१ तमे सत्रे सर्वप्रथमप्रवेशः- अभयशर्मा, प्राक्शास्त्रिप्रथमवर्षम्

Scanned with OKEN Scanner

व्याख्यानम् (Lecture)

सम्पूर्णव्याख्यानेषु न्यूनतम पञ्चसप्ततिप्रतिशतं (७५) उपस्थितः विश्वविद्यालयीयपरीक्षायां प्रवेशाय आवश्यकी विद्यते, अन्यथा विश्वविद्यालयीयपरीक्षार्थम् अपात्रता घोषयितुं शक्यते।

सांस्कृतिक-क्रीडाप्रतियोगीनां कृते, संस्कृतवाहिनीसदस्यानां कृते वैदिककर्मकाण्डच्छात्राणां कृते अथ च संस्कृतभाषणशिविरचालकानां कृते उपस्थितिं शिथिलयितुं समर्थः प्राचार्यमहोदयः।

गणवेशः (Uniform)

प्राक्शास्त्री-शास्त्री-आचार्यकक्षाबालकानां कृते -
श्वेतधौतवस्त्रम्, श्वेतकरांशुकम् (सफेद धोती-कुर्ता)
अथवा श्वेतकरांशुकम् (सफेद कुर्ता-पायजामा)
अथवा कृष्णम् उरुकम्, श्वेतयुतकम, कृष्णप्रावारकम् (काली पेण्ट, सफेद शर्ट, काला कोट अथवा स्वेटर)
प्राक्शास्त्री-शास्त्री-आचार्यकक्षाबालकानां कृते - पाटलवर्णशाटिका अथवा पाटलवर्णसलवार-कमीज

अवकाशसुविधा (Leave-Facility)

आवर्षं विद्यार्थिनः षडवकाशान् (६ अवकाशान्) प्राप्तुं शक्नुवन्ति। एतदतिरिक्तम् अनुपस्थितिः मस्यते। पञ्चदिवसादधिकम् अवकाशार्थं प्राचार्यमहोदयस्य स्वीकृतिरनिवार्या। किन्तु षड्दिनानन्तरं नाम स्वतः निरस्तं भविष्यति पञ्चदिनात् पूर्वमेव प्राचार्यमहोदयस्य अनुमत्या पुनः प्रवेशः सम्भवः। विशेषपरिस्थितौ छात्रस्य आचरणं दृष्ट्वा षड्दिनात् पूर्वमपि प्राचार्यमहोदयो निष्कासयितुं शक्नोति। प्रत्यन्तरं रुप्यकमेकम् अनुपस्थितिदण्डशुक्लरूपेण दातव्यं भविष्यति। स्वास्थ्यावकाशाय राजकीयचिकित्सकस्य प्रमाणपत्रमेव मान्यं भविष्यति।

छात्रकल्याणपरिषत्

हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालस्य निर्देशद्वारा केन्द्रीयसंस्कृतछात्रपरिषदः चयनं भवितुं शक्यते। प्रवेशानन्तरमेव एषा समितिः संरच्यते।

आदर्शछात्रकल्याणसमितिः (Adarsh Student-Welfare Committee)

अध्यक्षः	*प्रो. भक्तवत्सलशर्मा (प्राचार्यः)*
सदस्यः	डॉ. मथुरादासशर्मा
सदस्यः	डॉ. लालसिंहपठानिया
सदस्यः (छात्रः)	प्रवेशानन्तरम्
सदस्यः (छात्रा)	प्रवेशानन्तरम्
सदस्यसचिवः-	डॉ. प्रीतमसिंहः/दर्शनप्राध्यापकः

विद्यार्थिषु वाक्कौशलवर्धनाय तेषां समस्यानिदानाय शिक्षणानुशासनादिविकासकार्येषु सहभागितार्थम् एषा समितिः। शिक्षणप्रशिक्षिणसम्भाषणकौशलपूर्वकगुणवत्तावर्धनाय च महाविद्यालये सततं प्रयतते।

Scanned with OKEN Scanner

अनुशासन Discipline

रैगिंगनिषेधसमितिः (Anti-ragging Committee)

कार्यकारी अध्यक्ष :- डॉ. लालसिंहपठानिया
सदस्य :- डॉ. कृष्णादेवी
सदस्य :- डॉ. राजिन्द्रकुमारशर्मा
छात्रप्रतिनिधिसदस्य :- प्रधानः, छात्रकल्याणपरिषद्
सदस्यसचिव :- डॉ मुकेशशर्मा

महिलासुरक्षाप्रकोष्ठः (Women Security Cell)

कार्यकारी अध्यक्ष :- डॉ. मथुरादास शर्मा
सदस्य :- डॉ. लालसिंहपठानिया
छात्रप्रतिनिधिसदस्य :- आचार्यकक्षातः
सदस्यसचिव :- डॉ. कृष्णादेवी

स्वास्थ्यसमितिः (Health Committee)

अध्यक्षः:- *प्रो. भक्तवत्सलशर्मा (प्राचार्यः)*
सदस्यः:- डॉ. मथुरादासशर्मा
सदस्यः:- डॉ. कृष्णादेवी
सदस्यसचिवः:- डॉ. प्रीतमसिंहः/दर्शनप्राध्यापकः

सर्वा समितयः प्राचार्यमहोदस्य अनुपस्थितौ आपात्काले अपरिहार्यत्वात् च लिखितरूपेण कार्यं कर्तुं शक्नुवन्ति, किन्तु तदन्तरं प्राचार्यमहोदयस्य अनुमोदनम् आवश्यकं भविष्यति।

ध्यातव्यम् (Note)- उच्चतमन्यायालय-भारतसर्वकार-हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयस्य चादेशानुसारं महाविद्यालसपरिसरे रैगिंग इत्यस्मिन् पूर्णतया प्रतिबन्धोऽस्ति। महिलाछात्राणां कुत्रापि हीनभावना असुरक्षाभावना मास्तु इति तथा च छात्रेषु उद्दण्डता मास्तु इति उद्देश्येन समितिरियम्।

स्वच्छभारत-अभियानम्, आपदाप्रबन्धनपरिसरसज्जासमितिः
(Clean India Campaign, Disaster-Management & Campus Greening)

कार्यकारी अध्यक्ष :- डॉ. केदारदत्तपुरोहितः
सदस्य :- डॉ. कृष्णमोहनपाण्डेयः
सदस्यः:- डॉ राजिन्द्रकुमारशर्मा
सदस्यसचिवः श्री विपिनचन्द्रपटियालः

पुस्तकालयः (Library)

महाविद्यालयस्य पुस्तकालये संस्कृत-हिन्दी-आङ्ग्लपाठ्यक्रमस्य तद्भिन्नस्य च पुस्तकानि समुपलब्धानि सन्ति। नियमितप्रवेशानन्तरं विद्यार्थिनो निर्धारितसङ्ख्याकानि पुस्तकानि अध्ययनार्थं ग्रहितुं शक्नुवन्ति। तदर्थं पुस्तकालयवर्त्तनपुस्तिका प्राप्तव्या भविष्यति। तया विना पुस्तकानि न दास्यन्ते। एतदर्थं पुस्तकालयसुरक्षाधनं निम्नप्रकारेण दातव्यं भविष्यति -

कक्षा		रुप्यकाणि
१.	प्राक्शास्त्रिकृते	३००-०० रुप्यकाणि
२.	शास्त्रिकृते	५००-०० रुप्यकाणि
३.	आचार्यकक्षाकृते	६००-०० रुप्यकाणि

सुरक्षितं धनं वार्षिकपरीक्षोपरान्तं परञ्च घोषितपरिणामे मार्चमासस्य मध्ये एवं दातुं शक्यते तदनन्तरञ्चादेयं भविष्यति। पुस्तकग्रहणसमये एव यत्पुस्तकं कस्यामवस्थायामस्ति। यस्योल्लेखः सम्बधितप्रभारिणा कारयितव्यः। प्राध्यापकानां प्रबन्धसमितिसदस्यानाञ्चातिरिक्तं बहिरागतेभ्यः पुस्तकेच्छुकेभ्यः पुस्तकालयसुविधा नैव दास्यते। शिक्षकेभ्योऽनिवार्या। वर्त्तनपुस्तिकासु नूतनं छायाचित्रमपि अत्यावश्यकम् ।

पुस्तकालये पठितुम उपलभ्यमानाः पत्रिकाः शोधपत्रिकाश्च
(In Library Readable Journals & Research Journals)

१. संस्कृतमञ्जरी
२. संस्कृतसम्भाषणसंदेशः
३. विश्वज्योतिः
४. विश्वसंस्कृतम्
५. संस्कृतमन्दाकिनी
६. वेदविद्या
७. प्राकृतविद्या
८. हिमवत्सला

पुस्तकालयसमितिः
(Library Committee)

अध्यक्षः-	*प्रो. भक्तवत्सलशर्मा (प्राचार्यः)*
सदस्यः-	डॉ. मथुरादासशर्मा
सदस्यः-	डॉ. रविदत्तशर्मा
सदस्यः-	डॉ. कृष्णमोहनपाण्डेयः
सदस्यसचिवः-	श्रीमति अञ्जुकुमारी

महाविद्यालयीया शोधपत्रिका
(Half-Yearly Research Journal of college)

महाविद्यालस्यास्य 'हिमवत्सला' नामधेया षाणमासिकी शोधपत्रिका जनवरी २०१७ तमवर्षतः प्रकाशिता भवति। पत्रिकायामास्यां प्रत्येकस्मिन् अङ्के प्राशयः भारतस्य विविधप्रान्तेभ्य आचार्य- सहाचार्य- सहायकाचार्य- प्राध्यापक- अध्यापक-शिक्षकशोधच्छात्र-विद्यार्थिभिः प्रदत्ता अप्रकाशिताः शोधलेखा अन्यसाम्ग्रयश्च प्रकाशिता भवन्ति। अस्याः प्रकाशनं महाविद्यालयस्य प्रकाशनविभागे भवति। सम्पादकमण्डलस्य संस्तुत्यनन्तरमेव स्तरीयशोधेलेखस्य प्रकाशनं भवितुमर्हति। जनवरी-जून अङ्कनिमित्तं शोधलेखानां स्वीकरणं २० मार्च पर्यन्तम् अथ च जुलाई-दिसम्बर अङ्कनिमित्तं शोधलेखानां स्वीकरणं २० अगस्त पर्यन्तं भवति। शोधलेखः **himvatsalasanskrit@gmail.com** इति अणुसङ्केतेन अथवा हस्तगतेन महाविद्यालयस्य प्रकाशनविभागे दातुं शक्यते। प्रत्येकलेखः कस्मिन्नपि फॉन्ट मध्ये टङ्कितोऽथवा स्पष्टाक्षरेषु हस्तलिखितः भवेत्। प्रत्येकं लेखस्य स्वसत्यापनमावश्यकम्।

Scanned with OKEN Scanner

सम्पादकमण्डलम्

प्रधानसम्पादकः आचार्यः हरेरामत्रिपाठी,
अध्यक्षः, सनातनधर्म-आर्दशसंस्कृतमहाविद्यालयः,
डोहगी, जनपदः-ऊना, हिमाचलप्रदेशः ।
दर्शनसंकायाध्यक्षः, श्रीलालबहादुरशास्त्रिराष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालयः, नवदेहली
+91 98 688 88534

सम्पादकः:- *आचार्यः भक्तवत्सलशर्मा,*
प्राचार्य एवं सदस्यसचिवः, सनातनधर्म-आर्दशसंस्कृतमहाविद्यालयः,
डोहगी, ऊना हिमाचलप्रदेशः ।
एवं सचिवः हिमाचलसंस्कृत अकादमी शिमला-1
+91 94 180 94293

सहसम्पादकाः:- डॉ. लालसिंहः पठानिया, सहाचार्यः, साहित्यविभागः।
डॉ. मुकेशकुमारः, सहायकाचार्यः, ज्योतिषविभागः।
डॉ. कृष्णादेवी, सहायकाचार्या, आङ्ग्लभाषाविभागः।
डॉ. प्रीतम सिंहः, अतिथिशिक्षिकः, दर्शनशास्त्रविभागः।

प्रकाशक :- सनातनधर्म-आर्दशसंस्कृतमहाविद्यालयः, डोहगी,
तहसील-बंगाणा, ऊना, हिमाचल प्रदेशः भारतम्।

वार्षिकशुल्कः:- १५०/-रुप्यकाणि, **Rs. 150/-**

दैनिकसमाचारपत्राणि
(Daily-Newspapers)

१. पञ्जाब केसरी	२. दिव्य हिमाचल	३. अमर उजाला
४. **The Hindu**	५. दैनिक भास्कर	६. रोजगारसमाचार
७. संस्कृतसंवादः	८. दैनिक जागरण	

वार्षिकी योजना
(Annual Planning)

१. महिलाछात्रावासनिर्माण भूमेरधिग्रहणम्।
२. मुख्यद्वारनिर्माणम्।
३. विद्यावारिधेः मार्गदर्शनाय स्वीकृतिः।
४. पूर्वस्नातकसम्मेलनम्।
५. राष्ट्रिया सङ्गोष्ठी।

Scanned with OKEN Scanner

मानवसंसाधनविकासमन्त्रालयभारतसर्वकारस्य आदर्शमहाविद्यालययोजनान्तर्गत - केन्द्रीयादर्शमहाविद्यालय अनेका समितयः सन्ति, तेषु मुख्यतमाः समितयः निम्नाः सन्ति प्रबन्धसमितिः (Management Committee)

पदम्	नाम	दायित्व/स्थानम्	प्रतिनिधित्वम्
अध्यक्षः	प्रो. हरेरामत्रिपाठी	दर्शनसंकायाध्यक्षः श्रीलालबहादुरशास्त्रिराष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालयः, नवदेहली-१६	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः जनकपुरी, नवदेहली
सदस्यः	कुलसचिवः/ कुलपतिमहोदयद्वारा नामितोऽधिकारी	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः जनकपुरी, नवदेहली	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः जनकपुरी, नवदेहली
सदस्यः	प्रो.वीरेन्द्रकुमारमिश्रः	प्रतिनिधिसदस्यः हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयः शिमला,	हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयः शिमला हिमाचलप्रदेशः
सदस्यः	डॉ.प्रवीणकुमारविमलः	विशेषाधिकारी (संस्कृत), हि.प्र. शिक्षाविभाग, राज्यसर्वकारः शिमला	हिमाचलप्रदेशशिक्षाविभागः शिमला,
सदस्यः	श्री अजयकुमारः	प्रधानः सनातनधर्मसभा, डोहगी जिला ऊना	मातृसंस्था प्रतिनिधिः
सदस्यः	डॉ मथुरादासशर्मा	महाविद्यालयः, डोहगी स.ध.आ.संस्कृतमहाविद्यालयप्राध्यापक-प्रतिनिधिः, प्राचार्यद्वारानामितः वरीयताक्रमानुसारः (परिवर्तनीयः)	महाविद्यालय-प्राध्यापककर्मचारीवर्गस्य
सदस्यसचिवः	प्रो. भक्तवत्सलशर्मा	सनातनधर्म-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालयः, डोहगी, ऊना	स्थानीयमहाविद्यालयस्य

वित्तसमितिः (Financial Committee)

पदम्	नाम	दायित्व/स्थानम्	प्रतिनिधित्वम्
अध्यक्षः	प्रो. हरेरामत्रिपाठी	दर्शनसंकायाध्यक्षः श्रीलालबहादुरशास्त्रिराष्ट्रियसंस्कृत-विश्वविद्यालयः, नवदेहली-१६	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, जनकपुरी, नवदेहली
सदस्यः	कुलसचिवः/ कुलपतिमहोदयद्वारा नामितोऽधिकारी	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, जनकपुरी, नवदेहली	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, जनकपुरी, नवदेहली
सदस्यः	प्रो.वीरेन्द्रकुमारमिश्रः	प्रतिनिधिसदस्यः हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयः, शिमला	हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयः, शिमला

Scanned with OKEN Scanner

सदस्यः	डॉ. *प्रवीणकुमारविमलः*	विशेषाधिकारी (संस्कृतं,) हि.प्र. शिक्षाविभाग, राज्यसर्वकारः	हिमाचलप्रदेशशिक्षाविभागः शिमला,
सदस्यः	*श्री अजयकुमारटण्डनः*	वित्ताधिकारी, श्रीलालबहादुरशास्त्रिराष्ट्रिय-संस्कृतविश्वविद्यालयः, नवदेहली-१६	श्रीलालबहादुरशास्त्रिराष्ट्रियसंस्कृत-विश्वविद्यालयः, नवदेहली-१६
सदस्यसचिवः	*प्रो. भक्तवत्सलशर्मा*	सनातनधर्म-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालयः, डोहगी, ऊना	स्थानीयमहाविद्यालयस्य

भवनसमितिः (Building Committee)

पदम्	*नाम*	*दायित्वम्/स्थानम्*	*प्रतिनिधित्वम्*
अध्यक्षः	प्रो. हरेरामत्रिपाठी	दर्शनसंकायाध्यक्षः, श्रीलालबहादुरशास्त्रि के. संस्कृतविश्वविद्यालयः नवदेहली-१६	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यलयः, जनकपुरी, नवदेहली
सदस्यसचिवः	प्रो. भक्तवत्सलशर्मा	सनातनधर्म-आदर्शसंस्कृतमहाविद्यालयः, डोहगी ऊना	स्थनीयमहाविद्यालयस्य
सदस्यः	डॉ. लालसिंहपठानिया स.ध.आ.संस्कृत-महाविद्यालयः, डोहगी प्राचार्यद्वारानामितः (परिवर्तनीयः)	महाविद्यालयः, डोहगी	महाविद्यालयस्य
सदस्यः	डॉ. रविदत्तशर्मा स.ध.आ.संस्कृत-महाविद्यालयः, डोहगी प्राचार्यद्वारानामितः (परिवर्तनीयः)	महाविद्यालयः, डोहगी	महाविद्यालयस्य
सदस्यः		हिमाचलप्रदेशलोकनिर्माणविभागप्रतिनिधिः	हिमाचलप्रदेशस्य

Scanned with OKEN Scanner

आदर्श शैक्षणिकसमितिः (Academic Committee)

पदम्	नाम	दायित्वम्/स्थानम्	प्रतिनिधित्वम्
अध्यक्षः	प्रो. हरेरामत्रिपाठी	दर्शनसंकायाध्यक्षः, श्रीलालबहादुरशास्त्रिराष्ट्रियसंस्कृतविश्वविद्यालयः, नवदेहली-१६	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, जनकपुरी, नवदेहली
सदस्यः	कुलपतिमहोदयद्वारा नामितोऽधिकारी	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, जनकपुरी, नवदेहली	केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, जनकपुरी, नवदेहली
सदस्यः	कुलपतिमहोदयद्वारा नामितोऽधिकारी	हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयः, समरहिल, शिमला	हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयः, समरहिल, शिमला
सदस्यःसचिव	प्रो. भक्तवत्सलशर्मा	सनातनधर्मआदर्श-संस्कृतमहाविद्यालयः, डोहगी ऊना	स्थानीयमहाविद्यालयस्य
सदस्याः	वरीयताक्रमानुसारम् प्राचार्य-द्वारानामितः विभागानुसारं एकैकप्रतिनिधिसदस्यः (परिवर्तनीयाः)	महाविद्यालयः, डोहगी	विविधभागस्य प्रतिनिधित्वम्

२०२०-२१ सत्रनिमित्तं महाविद्यालयेन प्रस्तावितविशेषायोजनानि
Proposed Celebrations by College for Session 2019-20

सरस्वतीमन्दिरस्थापनादिवसः	२० जून, २०२०
विश्वयोगदिवसः	२१ जून, २०२०
व्यासपूर्णिमा/गुरूपूर्णिमा	०५ जुलाई, २०२०
संस्कृतसप्ताहः	०१-०७ अगस्त, २०२०
स्वतन्त्रतादिवसः	१५ अगस्त, २०२०
शिक्षकदिवसः	०५ सितम्बर, २०२०
रक्तदानशिविरम्	२८ सितम्बर, २०२० (शहीदभगतसिंहप्रकोटत्सव)
गीताजयन्ती	२५ दिसम्बर, २०२०
गीतापाठशृङ्खला	प्रत्येकैकादशीतिथौ
संस्कृतसम्भाषणशिविम्	वर्षे वारद्वयम्
वाग्वर्द्धिनीसभा	मासिकी
व्याख्यानमाला	यथावसरः
राष्ट्रियसङ्गोष्ठी	यथावसरः
राज्यस्तरीयस्पर्धा	यथावसरः
क्रीडास्पर्धा	आवर्षम्
रामचरितमानस-अखण्डपाठः	सत्रान्ते
सौप्रस्थानिकसमारोहः	सत्रान्ते
वार्षिकोत्सवः	सत्रान्ते

Scanned with OKEN Scanner

अवकाशनिमित्तं महाविद्यालयस्य वार्षिकपञ्चाङ्गम् - २०२०

(Annual Calendar of college for Leaves)

पूर्णराज्यदिवस	२५ जनवरी, २०२०
गणतन्त्रदिवसः	२६ जनवरी,२०२०
गुरूरविदास जयन्ती	०६ फरवरी, २०२०
महाशिवरात्रि	२१ फरवरी, २०२०
होली	१० मार्च, २०२०
रामनवमी	०२ अप्रैज, २०२०
डॉ. बी. आर. अम्बेदकरजयन्ती	१४ अप्रैल, २०२०
हिमाचल दिवस	१५ अप्रैल, २०२०
Good Friday	१६ अप्रैल, २०२०
परशुरामजयन्ती	२५ अप्रैल, २०२०
बुद्धपूर्णिमा	०७ मई, २०२०
ईल-उल-फितर एवं महाराणाप्रताप जयन्ती	१५ मई, २०२०
सन्तकबीरजयन्ती	०५ जून, २०२०
ईद-उल-जुहा (बकरीद)	०१ अगस्त, २०२०
स्वतन्त्रतादिवसः	१५ अगस्त, २०२०
मुर्हरम	३० अगस्त, २०२०
महात्मा गान्धीजयन्ती	०२ अक्तूबर, २०२०
दशहरा	२५ अक्तूबर, २०२०
महर्षिवाल्मीकिजयन्ती	३१ अक्तूबर, २०२०
दीपावली	१४ नवम्बर, २०२०
गुरूनानकप्रकटोत्सवः	३० नवम्बर, २०२०
क्रिसमिस-डे	२५ दिसम्बर, २०२०

अवकाशाः महिलावर्गकृते -

रक्षाबन्धनम्	०३ अगस्त, २०२०
करकचतुर्थी (करवाचौथ)	०४ नवम्बर, २०२०
भातृद्वितीया	१६ नवम्बर, २०२०

वैकल्पिका अवकाशाः

नववर्षदिवसः	०१ जनवरी, २०२०
लोहड़ी	१३ जनवरी, २०२०
वसन्तपञ्चमी	३० जनवरी, २०२०
स्वामीदयानन्दसरस्वतीजयन्ती	१८ फरवरी, २०२०
महावीरजयन्ती	०६ अप्रैल, २०२०
ईस्टर सण्डे	१२ अप्रैल, २०२०

Scanned with OKEN Scanner

महाष्टमी	२८ अक्तूबर, २०२०
श्रीगुरूतेगबहादुरदिवसः	२८ नवम्बर, २०२०
श्रीकृष्णजन्माष्टमी	१२ अगस्त, २०२०

सामान्यतया प्रवेशसमये देयशुल्क-विवरणम् (Detail of Admission Fees)

क्रः	वार्षिकम्	रूप्यकाणि
१.	प्रवेशशुल्कम् (प्रतिसत्रम्)	२५-००/५०-००
२.	विश्वविद्यालय-पञ्जीकरणशुल्कम् (नूतनानां कृते)	२१०-००
३.	विश्वविद्यालय-सातत्यशुल्कम् (पूर्वविद्यार्थिनां कृते)	१०-००
४.	योग्यता-अन्तरङ्गपरीक्षाशुल्कम् (प्रतिसत्रम्)	४०-००
५.	स्वास्थ्यनिधिः	०६-००
६.	परिसरसज्जा	१०-००
७.	पुस्तकप्रवर्तनपुस्तकालयनिधिः	२५-००
८.	उपस्करजीर्णोद्धारः क्रयश्च	१०-००
९.	अभिज्ञानपत्रम् (I Card)	१०-००
१०.	पत्रिकानिधिः	५०-००
११.	परीक्षाकेन्द्रशुल्कम्	७००-००
१२.	वार्षिकपरीक्षाशुल्कम्	४००-००
१३.	विश्वविद्यालयसम्बद्धताशुल्कम्	१००-००
१४.	छात्रसहायतानिधिः	०२-००
१५.	सांस्कृतिककार्यक्रमनिधिः	२०-००
१६.	सङ्गणकशुल्कम् (शास्त्रिकक्षानिमित्तम्)	३००-००
१.	सयुक्तनिधिः	(२५ x १२) = ३००
२.	क्रीडानिधिः	(२० x १२) = २४०
३.	भवननिधिः	(१० x १२) = १२०
१.	पुनः अभिज्ञानपत्रम्	२०-००
२.	प्रथमपुनः प्रवेशशुल्कम्	१००-००
३.	द्वितीयपुनः प्रवेशशुल्कम्	२००-००

अनुपस्थिति-दण्डशुल्कम् (Absent-Fine)

१.	प्रवेशविलम्बशुल्कम् (प्रतिदिनम्)	१०-००
२.	योग्यतापरीक्षायाम् अथवा गृहपरीक्षायाम् अनुपस्थितिः (प्रतिपत्रम्)	१०-००

Scanned with OKEN Scanner

रविरुद्र-पितामह-विष्णुनुतं, हरिचन्दन-कुङ्कुम-पङ्कयुतम् ।
मुनिवृन्दगणेन्द्र-समानयुतं, तव नौमि सरस्वति ! पादयुगम् ।।

शशि-शुद्ध-सुधाहिम-धाम-निधिं, शरदम्बर-बिम्बसमानकरम् ।
बहुरत्नमनोहर-कान्तियुतं, तव नौमि सरस्वति ! पादयुगम् ।।

कनकाब्ज-विभूषित-भूतिभवं, भवभाव-विभाषित-भिन्नपदम् ।
प्रभुचित्त-समाहित-साधुपदं, तव नौमि सरस्वति ! पादयुगम् ।।

भवसागर-मज्जन-भीतिनुतं, प्रतिपादित-सन्तति-कारमिदम् ।
विमलादिक-शुद्ध-विशुद्धपदं, तव नौमि सरस्वति ! पादयुगम् ।।

मतिहीन-जनाश्रय-पारमिदं, सकलागम-भाषितभिन्न-पदम ।
परिपूरित-विश्वमनेकविधं, तव नौमि सरस्वति ! पादयुगम् ।।

परिपूर्ण-मनोरथ-धामनिधिं, परमार्थविचार-विवेकविधिम् ।
सुरयोषितसेवित-पादतलं, तव नौमि सरस्वति ! पादयुगम् ।।

सुरमौली-मणि-द्युति-शुभ्रकरं, विषयादि-महाभयभारहम ।
निजकान्ति-विलेपित-चन्द्रशिवं, तव नौमि सरस्वति ! पादयुगम् ।।

स्वगुणैक-कुलस्थिति-भीतियुतं, गुणगौरव-गर्वित-सत्यपदम् ।
कमलोदर-कोमल-पादतलं, तव नौमि सरस्वति ! पादयुगम् ।।

रविरुद्र-पितामह-विष्णुनुतं, हरिचन्दन-कुङ्कुम-पङ्कयुतम् ।
मुनिवृन्दगणेन्द्र-समानयुतं, तव नौमि सरस्वति ! पादयुगम् ।

Scanned with OKEN Scanner

श्रीरामचरितमानसाखण्डपाठः

राष्ट्रियसङ्गोष्ठ्यां सभागारोपस्थितिः

Scanned with OKEN Scanner

हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयतः (शिमलातः) समागतानां डॉ० रमनकुमारवर्याणाम् अभिनन्दनं कुर्वन्ति (वामतः) प्रो. भक्तवत्सलशर्मा (प्राचार्यवर्याः), प्रो. हरेरामत्रिपाठी (महाविद्यालय-अध्यक्षमहोदयाः) एवं सपत्निक-डॉ. श्रेयांशद्विवेदी (कुलपतिवर्याः, महर्षिवाल्मीकिसंस्कृतविश्वविद्यालयः, कैथलम् हरियाणा),

सांस्कृतिकप्रस्तुतिः

Shree Offset Printer'sBangana # 9805741330

Scanned with OKEN Scanner